हरिभूमि
जशपुर-रायगढ़ भूमि
बिलासपुर, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026
[पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा]

तापमान

अधिकतम 28.2 डिग्री

न्यूनतम 20.2 डिग्री

4

बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को किया गया जागरूक



खबर संक्षेप



साइबर क्राइम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जशपुरनगर। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जशपुर के मार्गदर्शन में समस्त पैरालीगल वॉलिंटियर्स हेतु साइबर क्राइम के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला जशपुर के सभागार में दिनांक 4 अक्टूबर शनिवार को सुबह 11 बजे से किया गया। उक्त कार्यक्रम में माननीय सत्येन्द्र कुमार साहू, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला जशपुर, डॉ. लाल उमेद सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सुमन सिंह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, राकेश कुमार पाटनवार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भावेश कुमार समरथ पुलिस उप अधीक्षक, हरिशंकर राम साइबर क्राइम प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान साइबर अपराध के विभिन्न प्रकारों, बचाव के उपायों, साइबर ठगी की घटनाओं में बरती जाने वाली सावधानियों तथा साइबर अपराध से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं जागरूकता के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य पैरालीगल वॉलिंटियर्स को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक एवं सक्षम बनाना था, ताकि वे आमजनों को साइबर अपराध से बचाव हेतु जानकारी प्रदान कर सकें।

छात्रावास भवन निर्माण के लिए 78 करोड़ स्वीकृत

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में विद्यार्थियों के लिए आवासीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। जिले में 24 पोस्ट एवं प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति छात्रावास भवनों के निर्माण के लिए कुल 77 करोड़ 86 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। इन छात्रावास भवनों के निर्माण से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधा के साथ सुरक्षित और सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा। स्वीकृत छात्रावास भवनों में पोस्ट मैट्रिक एवं प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक तथा कन्या छात्रावास शामिल हैं। जिले के विभिन्न स्थानों पर छात्रावास भवनों का निर्माण किया जा रहा है। इन छात्रावास भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को आवास, अध्ययन व दैनिक आवश्यकताओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले आदिवासी विद्यार्थियों को अपने गांव से बाहर रहकर पढ़ाई करने में सुविधा होगी और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सकेगा।

गांव-गांव पहुंची बस सुविधा जीवन में आया बदलाव

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए आवागमन का बेहतर व सुलभ साधन बनकर सामने आई है। गांवों तक बस सेवा पहुंचने से विद्यार्थियों, मजदूरों, किसानों और आम ग्रामीणों को अब कम किराए में सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा की सुविधा मिल रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत संचालित बस में यात्रा कर रहे जशपुर विकासखंड के ग्राम बरटोली भगलपुर निवासी अमित प्रजापति ने बताया कि बस सेवा जशपुर से गजमा तक संचालित हो रही है। यह बस जशपुर से मनोरा, लुखी, मधवा, बेंजोरा और हाड़ीकोना होते हुए गजमा पहुंचती है। उन्होंने बताया कि पहले गांव से आने-जाने के लिए मुख्य रूप से ऑटो पर निर्भर रहना पड़ता था। ऑटो का किराया अधिक होने के साथ ही समय पर साधन उपलब्ध नहीं हो पाता था। इससे विद्यार्थियों, मजदूरों और ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी होती थी।

तीन दिनों में पकड़ा गया 10 क्विंटल से अधिक अवैध गांजा, ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश जा रहा था आरोपी

लावाकेरा बैरियर पर फिर पकड़ा गया अवैध गांजा, 6 क्विंटल जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले में लगातार कार्रवाई के बाद भी गांजा तस्करों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। लावाकेरा चेकिंग बैरियर पर पुलिस ने एक बार फिर कार्रवाई करते हुए 6 क्विंटल से अधिक अवैध गांजा जब्त किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। लावाकेरा बैरियर में तीन दिनों में यह दूसरा मामला है। इन तीन दिनों में 10 क्विंटल से अधिक गांजा पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार 4 अक्टूबर को सुबह करीब 10.00 बजे लावाकेरा पुलिस चेकिंग बैरियर पर एंटी नारकोटिक्स टीम एवं थाना तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा ओडिशा की ओर से आने वाले संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान ओडिशा की ओर से आ रहे टाटा आईसर ट्रक क्रमांक यूपी- 47-एटी- 9839 को संदेह के आधार पर रोककर जांच की गई। पुलिस को चकमा देने के उद्देश्य से तस्करों द्वारा ट्रक में ऊपर की ओर खाली बोतल की शीशियों से भरी बोरियां रखी गई थीं। पुलिस टीम द्वारा इन बोरियों को हटाकर नीचे रखी बोरियों की जांच की गई, तो उनमें टेप से लिपटे पैकेट मिले। पैकेटों को खोलकर जांच करने पर उनमें अवैध मादक पदार्थ गांजा पाया गया।पुलिस टीम द्वारा मौके पर गवाहों की उपस्थिति में जांच करने पर कुल 20 बोरियों में 597 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 06 क्विंटल 32 किलो 380 ग्राम (632.380 किलो) पाया गया। ट्रक में बैठे संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर गांजे के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन उसके द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। पुलिस द्वारा यह पता लगाया जा रहा है कि गांजा कहां से खरीदा गया था, उत्तर प्रदेश में किस व्यक्ति तक पहुंचाया जाना था तथा तस्करी के इस नेटवर्क में और कौन-कौन व्यक्ति शामिल हैं। मामले में पुलिस द्वारा एंड-टू-एंड विवेचना की जा रही है। प्रकरण में जो भी व्यक्ति संलिप्त पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

■ खाली बोतलों से भरी बोरियों के नीचे छिपाकर रखा था



गांजा के साथ गिरफ्तार आरोपी।

नकदी सहित 3 करोड़ से अधिक का माल जब्त

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विनोद कुमार गुप्ता उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम बेरिया खलीलपुर, थाना देहात कोतवाली, जिला बहराईच (उत्तर प्रदेश) बताया। आरोपी ने बताया कि वह उक्त गांजा उड़ीसा से लेकर उत्तर प्रदेश जा रहा था।पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से 632.380 किलोग्राम गांजा, तस्करी में प्रयुक्त टाटा आईसर ट्रक क्रमांक यूपी- 47-एटी- 9839, 2 मोबाइल फोन एवं 3,000 रुपये नगद विधिवत जप्त किया गया।बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 03 करोड़ 16 लाख 19 हजार रुपये, ट्रक की कीमत लगभग 25 लाख रुपये तथा जप्त मोबाइल फोन की कीमत लगभग 25 हजार रुपये है। नगदी सहित प्रकरण में कुल 03 करोड़ 41 लाख 47 हजार रुपये की जप्ती की गई है।मामले में थाना तपकरा में धारा 20(बी)(ii)(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

लगातार हो रही कार्रवाई

2 अक्टूबर को भी जशपुर पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टीम एवं थाना तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा लावाकेरा पुलिस चेकिंग बैरियर पर एक टाटा आईसर मिनी ट्रक से 440.630 किलो गांजा बरामद कर 02 तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। लगातार दो बड़ी कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि जशपुर पुलिस द्वारा उड़ीसा सीमा से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी पर लगातार प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस द्वारा विनोद कुमार गुप्ता, उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम बेरिया खलीलपुर, थाना देहात कोतवाली, जिला बहराईच (उत्तर प्रदेश)को गिरफ्तार किया गया है।

कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ.लाल उमेद सिंह ने बताया कि सरगुजा रेंज आईजी दीपक कुमार झा के निर्देशानुसार रेंज स्तर पर पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के बीच बेहतर कोआर्डिनेशन के साथ नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारियों को नगद पारितोषिक से पुरस्कृत किया जाएगा। जशपुर पुलिस नशे के खिलाफ पूरी दृढ़ता और निरंतरता के साथ कार्रवाई करती रहेगी तथा नशे के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

कोतबा क्षेत्र में 72 किलो से अधिक गांजा बरामद

कोतबा। चौकी कोतबा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ओडिशा की ओर से मारुति स्विफ्ट कार में बड़ी मात्रा में गांजा लेकर जशपुर की ओर आ रहा है।सूचना से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराते हुए उनके निर्देशन में कोतबा पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई तथा संभावित मार्ग पर निगरानी एवं घेराबंदी की गई। पुलिस टीम द्वारा ग्राम जामझोर के पास संदिग्ध मारुति स्विफ्ट कार को रोककर उसकी जांच की गई।

वाहन की तलाशी लेने पर दो बोरी मिली, जिसमें प्लास्टिक टेप से चिपकाकर रखे गए कुल 70 नग पैकेट पाए गए। गवाहों के समक्ष पैकेटों की जांच करने पर उनमें अवैध मादक पदार्थ गांजा पाया गया।पुलिस द्वारा गांजे को विधिवत बरामद कर तौल कराया गया, जिसमें कुल 72 किलो 340 ग्राम गांजा पाया गया।मौके से गांजा तस्करी में प्रयुक्त मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक ओडी-23-ई-8034 तथा आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन भी जप्त किया गया। जप्त सामग्रियोंगांजा 72 किलो ग्राम अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपए मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक ओडी 23- ई- 8034 अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये,मोबाइल फोन अनुमानित कीमत लगभग 20 हजार रुपये ,कुल जप्ती लगभग 41 लाख 20हजार रुपए है। रोहित यादव, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम जामझोर, दर्रा पारा, चौकी कोतबा, जिला जशपुर। प्रकरण में आरोपी के विरूद्ध चौकी कोतबा, थाना बागबहार के अपराध क्रमांक 93/2026, धारा 20(बी)(ii)(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी रोहित यादव पूर्व में भी मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त रहा है। आरोपी के विरूद्ध चौकी कोतबा में पूर्व में अपराध क्रमांक 153/13 एवं 135/21, दोनों में धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। इन मामलों में क्रमशः 20.570 किलो एवं 13.430 किलो गांजा बरामद किया गया था। इसी प्रकार थाना सिटी कोतवाली ⏭ शेष पेज 2 पर



नींव बहुभाषी शिक्षा के लिए तीन दिवसीय उन्मुखीकरण शुरू



जशपुरनगर। विकासखंड में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को बेहतर बनाने और स्थानीय भाषा के साथ हिंदी में सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 'नींव बहुभाषी शिक्षा' कार्यक्रम के तहत संकुल अकादमिक समन्वयकों का तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम सोमवार को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय सलियाटोली में शुरू हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड केंद्र स्रोत समन्वयक के सहयोग से किया जा रहा है। उन्मुखीकरण 5 से 7 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें कुनकुरी विकासखंड के 16 संकुल अकादमिक समन्वयक शामिल हो रहे हैं। उन्मुखीकरण के दौरान समन्वयकों को नींव बहुभाषी शिक्षा के ढांचे, शिक्षण प्रक्रिया और विद्यालय स्तर पर अकादमिक सहयोग की प्रभावी रणनीतियों की जानकारी दी जा रही है। इसके माध्यम से विकासखंड के 83 विद्यालयों में शिक्षकों को निरंतर अकादमिक सहयोग उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इससे विद्यालयों में बच्चों की भाषा और सीखने की जरूरतों के अनुरूप शिक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

16 संकुल को जोन में बांटकर होगा फॉलोअप- तीन दिवसीय उन्मुखीकरण के बाद 16 संकुलों को जोन में बांटकर विद्यालयों में कार्यक्रम के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी और अकादमिक सहयोग किया ⏭ शेष पेज 2 पर

शिक्षकों का प्रशिक्षण पहले ही पूरा

नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम के तहत कुनकुरी विकासखंड के 83 शिक्षकों का प्रशिक्षण 20 से 25 अगस्त 2026 के बीच पूरा किया जा चुका है। अब संकुल अकादमिक समन्वयकों के उन्मुखीकरण के माध्यम से प्रशिक्षण के बाद विद्यालयों में शिक्षण गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत सहयोग पर जोर दिया जा रहा है। इससे समन्वयकों में कार्यक्रम की समझ के साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय भ्रमण के दौरान शिक्षकों को उपलब्ध कराई गई विभिन्न शिक्षण सामग्रियों के उपयोग की प्रक्रिया भी देखी जाएगी। इनमें कार्यपुस्तिका, शिक्षक संदर्शिका, बिग बुक, कहानी की पुस्तक, सादरी एवं हिंदी के चित्र चार्ट, कविता पोस्टर, ग्रिड कार्ड और अक्षर कार्ड जैसी सामग्री शामिल हैं। द्विसवार एवं सप्ताहवार चार ब्लॉक मॉडल के अनुसार बच्चों के साथ शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर भी काम किया जाएगा।

अलग अलग कार्रवाई में 29 नग गौवंश तस्करों के चंगुल से मुक्त



जशपुरनगर। चौकी सोनक्यारी एवं थाना सिटी कोतवाली जशपुर पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्रवाई में कुल 29 नग गौवंशों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया गया। सोनक्यारी पुलिस की कार्रवाई में जहां 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं सिटी कोतवाली पुलिस की कार्रवाई के दौरान तस्कर रात्रि एवं जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए, जिनकी पतासाजी की जा रही है।

3 अक्टूबर को चौकी सोनक्यारी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ग्राम गीधा के भंवरकोना जंगल के रास्ते 17 नग गौवंशों को पैदल झारखण्ड ले जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने जंगल क्षेत्र में पहुंचकर तलाश एवं घेराबंदी की गई। इस दौरान एक व्यक्ति 17 नग गौवंशों के साथ मिला। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति ने अपना नाम बालमुकुंद पिता जगमोहन, उम्र 26 वर्ष, निवासी धौरापाठ, थाना सन्ना, जिला जशपुर बताया। पूछताछ में उसने बताया कि वह उक्त गौवंशों को ग्राम पंड्रापाठ निवासी पंचू यादव से लेकर गुगुल निवासी दोनापाठ, थाना डुमरी, जिला गुमला (झारखण्ड) के पास ले जा रहा था। आगे इन गौवंशों को झारखण्ड ले जाने की तैयारी थी। मामले में पुलिस द्वारा सभी 17 गौवंशों को सुरक्षित अपने कब्जे में ले कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान गौवंशों को उपलब्ध कराने एवं आगे ले जाने में संलिप्त पंचू यादव एवं गुगुल अहिर की भूमिका सामने आई। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस प्रकार प्रकरण में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया है।

■ जंगल के रास्ते झारखण्ड ले जाते 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

तड़के 3 बजे कार्रवाई 12 गौवंश मुक्त

4 अक्टूबर को तड़के लगभग 3 बजे थाना सिटी कोतवाली जशपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति जरिया भभरी जंगल के रास्ते गौवंशों को पैदल झारखण्ड राज्य की ओर ले जा रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी सिटी कोतवाली जशपुर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए जरिया भभरी जंगल क्षेत्र में घेराबंदी की गई। पुलिस टीम को देखकर गौवंशों को लेकर जा रहे तस्कर रात्रि एवं घने जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस द्वारा मौके से 12 नग गौवंशों को सुरक्षित मुक्त कराया गया।

फरार आरोपियों को पुलिस द्वारा चिन्हित कर तलाश तेज

पुलिस टीम के द्वारा फरार आरोपियों को चिन्हित कर लिया गया है एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा आसपास के संभावित मार्गों एवं क्षेत्रों में लगातार पतासाजी की जा रही है। प्रकरण में तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

इन आरोपियों किया गया गिरफ्तार

चौकी सोनक्यारी क्षेत्रांतर्गत मामले में इन आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया बालमुकुंद, उम्र 26 वर्ष, निवासी धौरापाठ, थाना सन्ना, जिला जशपुर (छ.ग.)पंचू यादव निवासी पंड्रापाठ मुड़ाकोना, चौकी पंड्रापाठ, थाना बगीचा, जिला जशपुर (छ.ग.) गुगुल अहिर पिता ठोठो, उम्र 25 वर्ष, निवासी दोनापाठ, थाना डुमरी, जिला गुमला (झारखण्ड)।

लक्ष्मीबाई स्कूल के आकस्मिक निरीक्षण पर पहुंचे जिपं अध्यक्ष

जशपुरनगर। जिला पंचायत अध्यक्ष ने महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जशपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक स्थिति, विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं और परिसर की व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाओं और छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं व प्राथमिकताओं को समझा। उन्होंने स्कूल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उनके शीघ्र और समुचित निराकरण के लिए उपस्थित अधिकारियों व स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अध्यक्ष ने परिसर में बेहतर और अनुशासित शैक्षणिक माहौल कायम रखने, छात्राओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार सुधार लाने पर जोर दिया। इस आकस्मिक निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्राचार्य विजय कुमार सिन्हा, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष राजू गुप्ता समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मुख्य रूप से मौजूद रहे।



जर्जर आवासों में रहने को मजबूर हैं सरकारी कर्मचारी

कोरबा। जिला मुख्यालय के तीन विभागों की कालोनी के आवास रखरखाव के अभाव में और पुराने होने की वजह से जर्जर हो चुके हैं। सालों पुरानी इस कालोनी के आवासों में सरकारी कर्मचारी रहने को मजबूर हैं। यहां तक कि अधिकारियों के बंगले में भी बारिश के पानी से बचने के लिए प्लास्टिक का सहारा लेना पड़ रहा है। कई ऐसे आवास अधिकारियों के हैं जिनके छत से प्लास्टिक कभी उतारी नहीं जाती।

कलेक्टर ने की स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक लेकर जिले में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, सीखने की क्षमता में वृद्धि और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

उन्होंने शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सहज और रुचिकर बनाने के साथ विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने जश लर्न, जश क्वेस्ट, स्मार्ट क्लासेस, संपर्क स्मार्ट शाला सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं नवाचारों की समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इनका लाभ दिलाने और कार्यक्रमों के अपेक्षित परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री व्यास ने जश लर्न कार्यक्रम के दूसरे चरण के पूर्ण होने के बाद इसकी उपलब्धियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। दूसरे चरण के बाद 84 प्रतिशत बच्चे अब जोड़, घटाव, गुणा और भाग जैसी मूलभूत गणितीय संक्रियाओं को पहले की तुलना में अधिक आसानी से समझने और सवाल हल करने में सक्षम हुए हैं। कलेक्टर ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए अगले चरण को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। जश क्वेस्ट कार्यक्रम की समीक्षा के अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के तहत शिक्षकों का प्रशिक्षण तथा संकुल समन्वयकों का ऑनलाइन ओरिएंटेशन पूर्ण हो चुका है। प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अब विद्यालय स्तर पर अन्य शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कलेक्टर ने कार्यक्रम को निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू करने तथा विद्यार्थियों की विषयगत समझ और सीखने के परिणामों में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालयों में संचालित स्मार्ट क्लासेस की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने इनके नियमित एवं प्रभावी संचालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्मार्ट क्लास की गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग करने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्री व्यास ने विद्यालयों में बालिकाओं के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं आवश्यक शौचालय सुविधा उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में बालिका शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर ⏭ शेष पेज 2 पर

■ बालिका शौचालय निर्माण को प्राथमिकता देने के निर्देश

आम नागरिकों तक पहुंची शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

जनता को योजनाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता: रायमुनि

जशपुरनगर। जिले के विकासखंड मनोरा में 'सेवा सेतु अभियान'कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सरकारी सेवाओं एवं नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं और उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। अभियान के माध्यम से शासन और आम नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत करने तथा सरकारी सेवाओं को लोगों के द्वार तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उनकी जानकारी और लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। 'सेवा सेतु अभियान' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी उनके क्षेत्र में उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार जानकारी के अभाव में पात्र लोग योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे अभियानों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध सेवाओं के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना, संबंधित विभागों तक पहुंचाना और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जोड़ना जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है। विधायक ने उपस्थित नागरिकों से शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और पात्रता के अनुसार उनका लाभ लेने की अपील भी की।



जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की रही सहभागिता

कार्यक्रम में शांति भगत, गोविन्द राम भगत, रंजीत भगत, सलमा भगत, सुषमा सिंह, सीईओ रघुनाथ एवं आशुतोष राय सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना के साथ जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का संदेश दिया गया। सेवा सेतु अभियान का मूल उद्देश्य सरकार की योजनाओं और जनता के बीच की दूरी को कम करते हुए सरकारी सेवाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाना है।

5-Oct- Jash-Bhoomi pg-2_Layout 1 05-10-2026 20:58 Page 1

खबर संक्षेप



अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में हुई मैराथन दौड़

अम्बिकापुर। अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में नशा मुक्ति परिवार महा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन दौड़ को महापौर मंजूषा भगत एवं संत गहिरा गुरु विश्व विद्यालय के कुलपति राजेंद्र लाकपाले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन दौड़ का उद्देश्य नशामुक्त रहने से स्वस्थ समाज का निर्माण है। खुद स्वस्थ रहेंगे तो स्वस्थ विचारों के साथ जीने का प्रयास भी होगा। अणुव्रत समिति के इस आयोजन में समिति के साथ महिला मंडल, युवक परिषद, ज्ञानशाला, सरस्वती महाविद्यालय, आरोग्य समिति, फिट कोप फिट सिटी भी शामिल रहे। मैराथन दौड़ गांधी स्टेडियम से देवीगंज रोड़, महामाया चौक, जोड़ा पीपल से वापस गांधी स्टेडियम समाप्त हुआ। दौड़ में 250 से ज्यादा की लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन के पूर्व डॉ. योगेंद्र गहरवार ने नशे के खिलाफ जन चेतना की प्रेरणा दी और दुष्परिणाम बताए। नशा मुक्ति का संकल्प महापौर मंजूषा भगत ने दिलाई। अतिथियों को मोमेंटो राज्य प्रभारी श्रीमती ममोल कोचेटा ने देकर सम्मानित किया। इस दौरान महेंद्र बोथरा,काजल भूरा, वर्षा भूरा, सुधा बोथरा, हनुमान डागा, संगीता डागा , मनोज बोथरा, मदन सेठिया, महावीर सेठिया, पवन बोथरा, प्रतीक बोथरा, सौरभ बोथरा, स्वीटी जैन, जयंत जैन जेठमल जैन, रेखा जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

डीएवी कनकनगर ने आयोजित की 2 किमी मैराथन दौड़



प्रतापपुर। डीएवी सीएमसी एवं डीएवी खेलकूद के मार्गदर्शन में डीएवी एमएमपीएस कनक नगर द्वारा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर 2 किलोमीटर लंबी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन सामुदायिक भवन से प्रारंभ होकर खैरमा चौक तक पहुंची। इसमें कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के करीब 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी गुप्ता, अक्षय तिवारी, अवधेश पाण्डेय, पंकज गुप्ता एवं पूर्व शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक प्रेम सिंधु मिश्रा उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ दौड़ में भाग लेकर स्वस्थ जीवन शैली एवं अनुशासन का संदेश दिया। खैरमा चौक में मैराथन के समापन अवसर पर महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों एवं आदर्शों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अक्षय तिवारी एवं अवधेश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को एक आदर्श नागरिक बनने के लिए आवश्यक गुणों एवं जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से समझाया। इस दौरान पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में डीएवी एमएमपीएस कनक नगर के प्राचार्य मनीष कुमार दुबे, प्रकाश तिर्की, आशीष मंडल, अनिता कुशवाहा, प्रियंका यादव, अर्चना सोनी, सुनेना कुरे, प्रीति, प्रिया साहू, सुषमा मिश्रा, शशि तिवारी, नीतू पटेल, अन्नपूर्णा सांडिल्य, श्रद्धा सिंह, काशिफ रजा एवं उज्ज्वल कश्यप उपस्थित रहे।

गैस एजेंसी के पिकअप वाहन से 6 गैस सिलेंडर चोरी करने वाले 7 गिरफ्तार



प्रतापपुर। शांति नगर स्थित इंडियन गैस गोदाम के पास पिकअप वाहन से 6 भरे हुए गैस सिलेंडर चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी गए सिलेंडरों की अनुमानित कीमत करीब 24 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामला को गंभीरता से लेते हुए चोरी करने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गैस एजेंसी में सिलेंडर वितरण का कार्य करने वाले राजस्थान अंतर्गत ग्राम जोधपुर निवासी जगदीश 26 सितंबर की शाम करीब 6 बजे पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 29 ए 3394 से गैस वितरण करने के बाद छह सिलेंडर लेकर शांति नगर गैस गोदाम के पास वाहन खड़ा कर हिसाब-किताब के लिए इंडियन गैस कार्यालय गया था।करीब एक घंटे बाद 7 बजे वापस लौटा तो देखा पिकअप वाहन में रखे 6 गैस सिलेंडर गायब थे। आसपास तलाश करने के बावजूद सिलेंडरों का कोई पता नहीं चला तो गैस सिलेंडर चोरी होने की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध चोरी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। इसी बीच आसपास के ग्रामीणों से जानकारी मिली कि कुछ लोग गांवों में गैस सिलेंडर बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। इस आधार पर चोरी में कुछ लोगों के शामिल होने की आशंका जताई गई है। घटना की जानकारी लगने पर पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी करने वाले शांतिपारा निवासी संदीप सिंह आ. राजपाल सिंह (23 वर्ष), ग्राम चांपीडांड निवासी मुकेश साण्डिल्य आ. अमीर साय(18 वर्ष 5 माह), सुखनन्दन आ. रामसिंह टेकाम (26 वर्ष), बसंत साण्डिल्य आ. मानससाय (21 वर्ष), जयकान्त सिंह आ. स्व. गंधुनन्दन सिंह (19 वर्ष), रविन्द्र नायक आ.अनिल कुमार घसिया(24 वर्ष) व छबिला प्रसाद आ. बेचनराम (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया।

गंभीर मरीजों की बढ़ी परेशानी, संभाग मुख्यालय जाने को मजबूर

13 साल बाद भी जिला अस्पताल में नहीं सीटी स्कैन की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

जिला मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। जिला अस्पताल का दर्जा प्राप्त हुए 13 साल हो गए परंतु आज तक जिला अस्पताल में मरीजो की सुविधा के लिए कई संसाधन की कमी है। हैरानी की बात तो यह है कि जिले में मंत्री से लेकर कई विधायक और जनप्रतिनिधि है लेकिन किसी के द्वारा जिला अस्पताल की मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने ध्यान नहीं दिया गया जिससे गंभीर मरीजो के लिए महत्वपूर्ण सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी। ऐसे में सड़क दुर्घटना सहित अन्य गंभीर मरीज संभाग मुख्यालय में सीटी स्कैन कराने जाने को मजबूर है।

खास बात

- जांच के अभाव में कई गंभीर की हो चुकी है मौत

बलरामपुर जनवरी 2012 में जिला बना था तब जिला मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को जिला अस्पताल का दर्जा मिला था। जिला अस्पताल के लिए नवीन भवन बना और नवीन भवन में जिला अस्पताल हाईटेक रूप से शुरू हुआ लेकिन जिला अस्पताल का भवन ही सिर्फ हाईटेक रहा वहां पर हाईटेक रूप से मरीज का उपचार की सुविधा प्राप्त नहीं है। जिला अस्पताल को बने 13 साल हो गए लेकिन जिला अस्पताल में 13 सुविधा भी विकसित नहीं हुई। ऐसे में जिले वासियों को आज भी बेहतर इलाज के लिए 100 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तय करके बड़े शहरों की ओर जाना पड़ रहा है और भारी भरकम रुपए खर्च करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में सड़क दुर्घटना सहित विभिन्न बीमारी से पीड़ित गंभीर मरीज पहुंचते है। ऐसे में दुर्घटना वाले मरीजों को या फिर विशेष गंभीर मरीजों को सिटी स्कैन कराने की सलाह दी जाती है लेकिन जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन की सुविधा नहीं होने से उन्हें सिटी स्कैन के लिए संभाग मुख्यालय जाना पड़ता है। ऐसे में मरीज सहित परिजन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि कोई मरीज सिटी स्कैन के लिए संभाग में जाएगा तो इलाज भी वहीं कराना उनकी मजबूरी हो जाती है जिससे उसे अनावश्यक पैसे की खर्च से आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। हैरानी की बात तो यह है कि जिले में बड़े नेता, जनप्रतिनिधि और मंत्री, विधायक हैं इसके बावजूद जिला अस्पताल को सिटी स्कैन की सुविधा 13 वर्षों में नहीं उपलब्ध करा सके। जिसका खामियाजा जिला अस्पताल में दाखिल होने वाले मरीजों और उनके परिजन को भुगतना पड़ रहा है।



लोगों में भारी आक्रोश

लोगों का कहना है कि बलरामपुर जिला अस्पताल बने 13 साल हो गए है लेकिन आज तक अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा नहीं हो सकी। जबकि इसके ठीक विपरीत वर्ष 2022 में बने एमसीबी जिला को 4 वर्षों में ही सिटी स्कैन मशीन की सुविधा प्राप्त होने के साथ वहां पर रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर के लिए स्थापना कर दिए गए। उससे पहले वर्ष 2012 में बने बलरामपुर जिला में 13 वर्ष बीत जाने के बाद भी सीटी स्कैन की सुविधा से वंचित है जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है।

जिले वासियों ने की सीटी स्कैन सुविधा की मांग

जिले वासियों का कहना है कि जिले के मंत्री और विधायक जिले वासियों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। जिले का विकास करने के बजाय अपना विकास करने में लगे हैं। 4 वर्ष पहले बने जिले के जिला अस्पताल में यदि सिटी स्कैन की सुविधा मिल सकती है तो 13 वर्ष पहले बने जिला अस्पताल में सिटी स्कैन की सुविधा क्यों मुहैया नहीं हो सकती। मंत्री और विधायक, नेता जिले के विकास की ओर ले जाने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। जिले वासियों की मांग है कि बलरामपुर जिला अस्पताल में सिटी स्कैन की सुविधा जल्द से जल्द मुहैया कराने की पहल करें ताकि गंभीर मरीजों को संभाग मुख्यालय या बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े और उन्हें आर्थिक नुकसान न हो।

प्रशासन से की गई है मांग

जिले के लोगों की मांग और मरीजों की सुविधा का ख्याल रखते हुए प्रशासन से सिटी स्कैन स्थापना करने के लिए मांग की गई है। जल्द ही बलरामपुर जिला अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए सीटी स्कैन की सुविधा मिलना प्रारंभ हो जाएगी।

-ओमप्रकाश जायसवाल
भाजपा जिला अध्यक्ष

सरकारी की है लापरवाही

भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण 13 वर्ष में जिले वासियों को जिला अस्पताल में सिटी स्कैन जैसी महत्वपूर्ण सुविधा नहीं मिल सका है। हम स्थानीय मंत्री और सरकार से सीटी स्कैन सुविधा के लिए मांग करेंगे। जिले वासियों को जिला अस्पताल में सिटी स्कैन सुविधा जल्द प्राप्त हो इसका प्रयास करेंगे।

-हरिहर यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष

सीटी स्कैन के लिए प्रक्रिया हो चुकी है पूर्ण

लंबी अवधि से जिला अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट नहीं है जिस कारण यहां सीटी स्कैन की की सुविधा नहीं मिल पा रही थी। शासन स्तर से रेडियोलॉजिस्ट की पोस्टिंग कर दी गई है और सिटी स्कैन के लिए टेंडर आदि सारी प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। सीटी स्कैन स्थापना के लिए भवन की निर्माण अंतिम चरण में है। भवन हैंडओवर होता है तो जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की स्थापना हो जाएगी। सारे प्रक्रिया में दो माह के आसपास का समय लग सकता है।

-विजय कुमार सिंह
सीएमएचओ बलरामपुर



नशामुक्त गांव बनाने में परिवार और वरिष्ठजनों की सहभागिता जरूरी : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

नशामुक्त समाज के निर्माण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने ग्राम पचीरा सिद्धेश्वर मंदिर परिसर में महिलाओं एवं उपस्थित नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त गांव बनाने में सक्रिय सहभागिता करने की बात कही। इस दौरान कलेक्टर एवं महिलाओं ने परिसर में पारस पीपल का पौधा रोपकर नशामुक्त समाज एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने जिवितिया पर्व पर व्रत कर रही माताओं के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

- जिवितिया पर्व पर व्रत कर रही माताओं के साथ की पूजा-अर्चना

कलेक्टर ने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत अपने घर से करें। परिवार के सदस्यों को समझाएं कि नशे का सेवन स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति एवं पारिवारिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित करता है। उन्होंने गांव के सियान एवं वरिष्ठ से युवाओं के साथ संवाद करने तथा उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करने की बात कही। श्रीमती जमील ने कहा कि व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं होता, लेकिन निरंतर समझाइश और सामूहिक प्रयास से सकारात्मक परिवर्तन संभव है। एक परिवार की पहल अन्य परिवारों के लिए उदाहरण बन सकती है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज सभी के लिए नुकसानदायक है। इसलिए अपने गांव को नशामुक्त बनाने में प्रत्येक नागरिक सक्रिय भूमिका निभाए। इस दौरान कलेक्टर ने नशा मुक्ति केंद्र के संबंध में जानकारी देते हुए नशे से प्रभावित व्यक्तियों को उपलब्ध सहायता से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने परिवार एवं समुदाय के सहयोग से ऐसे व्यक्तियों को नशे से बाहर निकलने में मदद करने की बात कही। ताकि उन्हें बेहतर जीवन मिल सके। उल्लेखनीय है कि सिद्धेश्वर मंदिर राम वन गमन परिपथ में शामिल है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यह प्राचीन स्वयंभू शिव मंदिर है, जहां भगवान श्रीराम ने जलाभिषेक किया था। जीवितिया पर्व के अवसर पर उपस्थित माताओं एवं नागरिकों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग का संकल्प लिया।

संतान की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि के लिए माताओं ने रखा उपवास, की पूजा अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

संतान की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना को लेकर माताओं द्वारा रखा जाने वाला जिउतिया व्रत शनिवार को मां महामाया मंदिर प्रांगण में सामूहिक रूप से मनाया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत राजपुर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भगवान जीमूतवाहन की कथा का श्रवण किया।

मां महामाया मंदिर के निज पुजारी पं. राघवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि जीवित्पुत्रिका व्रत माताओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। व्रत के दौरान माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, स्वस्थ जीवन एवं सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। मंदिर प्रांगण में शनिवार शाम को सामूहिक पूजन का आयोजन किया गया। पंडित राघवेंद्र पांडेय द्वारा विधि-विधान से पूजा संपन्न कराने के साथ ही व्रत से जुड़ी भगवान जीमूतवाहन की कथा का वाचन किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सामूहिक पूजन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। पूजा के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर अपनी संतानों के मंगलमय जीवन की कामना की।नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की माताएं एवं बहनें श्रद्धापूर्वक शामिल होती हैं।



कोयला कर्मियों को मिलेगा एक लाख 10 हजार बोनस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

कोल इंडिया एवं उसकी सहयोगी कंपनियों में कार्यरत नॉन-एग्जीक्यूटिव कर्मचारियों को इस वर्ष पूजा बोनस के रूप में 1 लाख 10 हजार 250 रुपये का भुगतान किया जाएगा। शनिवार को कोलकाता में आयोजित कोल इंडिया एपेक्स जेसीसी (संयुक्त सलाहकार समिति) की बैठक में बोनस राशि पर सहमति बनी। बोनस का भुगतान 15 अक्टूबर तक किए जाने पर भी सहमति बनी है।

- इस बार मिलेंगे 1.10 लाख रुपये, 15 अक्टूबर तक भुगतान करने की तैयारी

जानकारी के अनुसार, इस निर्णय से करीब दो लाख कोयला कर्मी लाभान्वित होंगे। बोनस के लिए कोल इंडिया पर करीब दो हजार करोड़ रुपये का वित्तीय भार आने का अनुमान है। एक अप्रैल 2026 की स्थिति में कोल इंडिया में 1,96,753 नॉन -एग्जीक्यूटिव कर्मचारी कार्यरत हैं। चालू वित्तीय वर्ष में सेवानिवृत्त होने वाले पात्र कोयला कर्मियों को भी पीएलआर का लाभ दिया जाएगा। बोनस निर्धारण को लेकर हुई बैठक में कोल इंडिया प्रबंधन की ओर से चेयरमैन बी. साईं राम, निदेशक मार्केटिंग सह प्रभारी निदेशक मानव संसाधन मुकेश चौधरी, निदेशक वित्त मुकेश अग्रवाल सहित श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बीएमएस से कोल प्रभारी लक्ष्मा रेड्डी, एचएमएस से हरभजन सिंह सिद्धू, सीटू से डीडी रामानंदन और एटक से लखन लाल महतो बैठक में उपस्थित रहे। गौरतलब है कि कोल इंडिया की ओर से कर्मचारियों को हर वर्ष दशहरा, पूजा एवं दीपावली से पहले यह राशि दी जाती है। इसे परफॉर्मेंस लिंक्ड रिवॉर्ड (पीएलआर) कहा जाता है। पिछले वर्ष कर्मचारियों को 1 लाख 3 हजार रुपये पूजा बोनस मिला था। इस वर्ष राशि में 7,250 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। बोनस की राशि वितरण के बाद बाजार के भी गुलजार होने की उम्मीद है।ज्ञात हो कि हर साल दिए जाने वाला पूजा बोनस को लेकर जहां कोयला कर्मियों एवं उनके परिवार में उत्साह और उम्मीद का वातावरण रहता है वही व्यापारी वर्ग भी बोनस को लेकर उसे भी खासी उम्मीद रहती है।

दिपावली पर्व से पहले ठेका श्रमिकों को मिलेगा बोनस, एपेक्स जेसीसी में बनी सहमति

कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत हजारों ठेका श्रमिकों के लिए दिपावली से पहले राहत की खबर सामने आई है। ठेका श्रमिकों के बोनस एवं परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव को लेकर 3 अक्टूबर को कोल इंडिया लिमिटेड मुख्यालय में आयोजित एपेक्स जेसीसी की द्विपक्षीय बैठक में महत्वपूर्ण सहमति बनी है। बैठक में तय प्रावधान के अनुसार कोड ऑन वेज 2019 में बोनस से संबंधित 8.33 प्रतिशत के प्रावधान के अनुरूप पात्र ठेका श्रमिकों को बोनस का भुगतान किया जाएगा। वहीं खनन गतिविधियों में लगे ऐसे ठेका श्रमिक, जिनका वेतन बोनस भुगतान के लिए निर्धारित वैधानिक सीमा से अधिक है, उन्हें पूर्व में जारी प्रावधानों तथा 29 मई 2025 को जारी स्पष्टीकरण के अनुरूप पीएलआई का भुगतान किया जाएगा। बैठक में भुगतान की समयसीमा को लेकर भी स्पष्ट व्यवस्था की गई है। ठेकेदारों द्वारा उनके अधीन कार्यरत पात्र ठेका श्रमिकों को बोनस अथवा पीएलआई का भुगतान दिवाली से पहले किया जाना है। इससे कोल इंडिया की विभिन्न परियोजनाओं, खदानों और अनुषंगी कंपनियों में ठेका व्यवस्था के तहत काम कर रहे श्रमिकों को त्योहारी सीजन में आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। ठेका श्रमिकों के बोनस और पीएलआई का मुद्दा सीआईएल एपेक्स जेसीसी में शामिल केंद्रीय ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान प्रमुखता से उठाया। श्रमिक संगठनों का कहना था कि कोयला उत्पादन से जुड़ी गतिविधियों में ठेका श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, ऐसे में उनके बोनस एवं प्रोत्साहन भुगतान को लेकर स्पष्ट व्यवस्था आवश्यक है। इसी क्रम में प्रबंधन और यूनियन प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत चर्चा के बाद भुगतान संबंधी प्रावधान तय किए गए।कोल इंडिया की खदानों और परियोजनाओं में बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक विभिन्न कार्यों में योगदान देते हैं।ज्ञात हो कि कोल कर्मियों के निर्धारित बोनस की राशि 1,10,250 रुपए को भी 15 अक्टूबर तक खाते में भेजे जाने का निर्णय एपेक्स जेसीसी की बैठक में ही लिया गया है।

वडनगर से बनारस जा रही जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा पहुंची जरही

सोनगरा। गौरवशाली 25 वर्षों को समर्पित जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा के तहत गुजरात के वडनगर से वाराणसी की ओर निकली रूट क्रमांक-1 की बाइक यात्रा शनिवार को जिले में प्रवेश करने के बाद रात्रि विश्राम सूरजपुर में करके रविवार को भटगांव होते हुए जरही मंडल के मंगल भवन पहुंची। रूट क्रमांक-1 की यात्रा के जरही पहुंचने पर भाजपा एवं भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली में शामिल युवाओं का स्वागत किया। मंगल भवन में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा तथा स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम जिला प्रभारी भूलन सिंह मरावी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग ने रूट क्रमांक-1 की जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा के उद्देश्य, कार्यक्रम की रूपरेखा तथा यात्रा के माध्यम से दिए जा रहे सेवा एवं जनभागीदारी के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा केवल बाइक रैली नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ने का अभियान है। रूट क्रमांक-1 के तहत बड़नगर से शुरू होकर बनारस की ओर बढ़ रही यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए आगे बढ़ रही है। यात्रा के माध्यम से युवाओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

वीएम कॉलेज में प्रतिजैविक प्रतिरोध औषधियों के उपयोग हेतु जागरूकता सप्ताह

बिश्रामपुर। वीएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी जयनगर में विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के तहत छह गतिविधियों का आयोजन 25 सितंबर से 3 अक्टूबर तक किया गया। इस वर्ष के आयोजन का मुख्य विषय प्रतिजैविक प्रतिरोध सावधानी से उपयोग करें और उनकी शक्ति को सुरक्षित रखें का रहा। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिजैविक प्रतिरोध, प्रतिजैविक औषधियों के उपयोग तथा फार्मासिस्ट की सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना रहा।

सप्ताहभर चले आयोजन में विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, ज्ञान, संचार कौशल एवं टीम भावना प्रदर्शित करने के लिए छह प्रमुख प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला। सर्वप्रथम वैज्ञानिक कार्टून प्रतियोगिता के आयोजन पश्चात पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न स्वास्थ्य एवं फार्मेसी संबंधी विषयों पर पोस्टर प्रस्तुत किए। पोस्टर के माध्यम से रोग-विज्ञान एवं निगरानी, संरक्षण एवं तर्कसंगत उपयोग, संक्रमण नियंत्रण एवं टीकाकरण, एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल स्वास्थ्य तथा नवीन उपचार पद्धतियां एवं परिशुद्ध चिकित्सा जैसे विषयों को प्रस्तुत किया गया,तीसरी गतिविधि फार्मा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रही जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्न, मौखिक एवं संवादात्मक, त्वरित उत्तर, घंटी आधारित तथा प्रकरण आधारित चरणों के माध्यम से विद्यार्थियों के फार्मेसी एवं स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान का परीक्षण किया गया।



पृष्ठ 1 का शेष

कोतबा क्षेत्र में ...

अंबिकापुर क्षेत्रांतर्गत भी आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 529/17 में 23.630 किलो गांजा तथा अपराध क्रमांक 575/23 में 82 किलो गांजा बरामद कर कार्रवाई की गई थी। उक्त प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए जशपुर पुलिस द्वारा आरोपी के नशे के कारोबार से अर्जित संपत्ति की जांच की गई थी। जांच उपरांत सफेमा एक्ट के तहत नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आरोपी की कार, बाइक सहित 40 लाख रुपये से अधिक कीमत की अवैध संपत्ति को पूर्व में फ्रीज कराया जा चुका है, जिसकी अग्रिम कार्रवाई जारी है। इसके बावजूद आरोपी द्वारा पुनः मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त होकर अवैध गतिविधि जारी रखने का प्रयास किया गया, जिस पर जशपुर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गांजे की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया गया है।

नींव बहुभाषी शिक्षा...

जाएगा। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के विकासखंड अकादमिक समन्वयक के साथ साझा विद्यालय भ्रमण के माध्यम से शिक्षकों को आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। इसके अलावा फॉलोअप बैठकों में 83 विद्यालयों की शिक्षण प्रक्रिया, सामने आ रही चुनौतियों, सुधार के क्षेत्रों और विद्यालयों में अपनाई जा रही अच्छी प्रथाओं पर चर्चा की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों के अनुभवों और सीख को साझा करने के लिए एक प्रभावी मंच तैयार करना तथा बहुभाषी शिक्षा की प्रक्रिया को और मजबूत करना है।

कलेक्टर ने की...

प्रस्तुत किया जाए, ताकि आवश्यकता के अनुसार निर्माण कार्य कराया जा सके। स्वीकृत निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश भी उन्होंने दिए। बैठक में उन्होंने मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट, अपार आईडी, विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र निर्माण, समग्र शिक्षा अंतर्गत स्मार्ट क्लास के लिए विद्यालयों के उन्नयन कार्य तथा स्टूडेंट डाटा एंट्री की प्रगति की भी समीक्षा। कलेक्टर ने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को शासकीय योजनाओं और विभिन्न शैक्षणिक सुविधाओं का समय पर लाभ मिल सके। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिन्हा सहित स्कूल शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।





ऑरा इंडिया टूर : सात शहरों में होंगे दिलजीत के कॉन्सर्ट

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का मोस्ट अवेटेड 'ऑरा इंडिया टूर 2026' आने वाला है। कुछ महीनों पहले ही गायक ने लंदन के वेम्बली में परफॉर्म करते हुए यह ऐलान किया था कि वह अहमदाबाद में जल्द कॉन्सर्ट करने जा रहे हैं। दरअसल, दिलजीत देश के सात शहरों में परफॉर्म करने वाले हैं। यह टूर नवंबर और दिसंबर में होगा। सिर्फ इतना ही नहीं, इसकी टिकट और तारीखों का ऐलान भी हो गया है। भारत में यह टूर 1 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर से शुरू होगा। इसके बाद 15 नवंबर को इंदौर, 21 नवंबर को अहमदाबाद, 27 नवंबर को मुंबई, 29 नवंबर को बेंगलुरु और 5 दिसंबर को लखनऊ में शो होगा।

लाइफ Style

मृणाल

घर की अलमारी से चुराती थीं घड़ियां

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों फिल्म 'पूजा मेरी जान' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें बताया कि वह अपनी मां की अलमारी से घड़ियां चुरा लेती थीं। साथ ही उन्होंने इसकी वजह भी बताई है।

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अभिनय के साथ-साथ अक्सर अपने क्लासिक फैशन सेंस को लेकर भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्हें क्लासिक घड़ियों से बहुत प्यार है और यह प्यार उनको उनकी मां से मिला, जिन्हें वह क्लासिक लेडी कहती हैं। मृणाल ने बताया कि कई बार खास मौकों के लिए वह अपनी मां की अलमारी से उनकी घड़ियां चुरा लिया करती थीं। एएनआई से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी मां ने मुझे बिगाड़ दिया, क्योंकि वह हमेशा से एक क्लासिक महिला रही हैं। कई बार अपने सबसे खास मौकों के लिए मैं उनकी घड़ी चुरा लेती थी। दरअसल, अभिनेत्री वसंत कुंज के डीएलएफ प्रोमेनेड में टिसॉट बुटीक के लॉन्च पर पहुंची थीं। वहां एक्ट्रेस ने कहा कि अब वह रेड-कार्पेट अपीयरेंस और फॉर्मल मीटिंग से लेकर डिनर तक अलग-अलग मौकों पर अपने कलेक्शन की घड़ियों को शामिल करने की योजना बना रही हैं। मृणाल के लिए घड़ी सिर्फ समय देखने की चीज नहीं है। वह इसे एक जरूरी एक्सेसरी मानती हैं, जो उनके व्यक्तित्व और पहचान को दिखाने में मदद करती है और उनके सादे स्टाइल को पूरा करती है।



हॉलीवुड मसाला



डिगर के फ्लॉप पर नहीं हैं दुखी

लॉस एंजिल्स। टॉम क्रूज की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'डिगर' की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर संतोषजनक नहीं रही। मगर फिल्म के इस प्रदर्शन से एक्टर के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। उन्होंने सोशल मीडिया पर बीटीएस तस्वीर शेयर करने साथ टीम के लिए एक भावुक पोस्ट साझा किया। बीते शनिवार टॉम क्रूज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने फिल्म की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने इन फोटोज के साथ अपनी टीम के लिए एक प्यार भरा कैप्शन लिखा।



इस्लाम विरोधी बयान से कॅरियर हो गया खत्म

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी एक्ट्रेस सेल्मा ब्लेयर ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। क्रूएल इंटेंशन्स, लीगली ब्लॉन्ड, द स्वीटेस्ट थिंग और हेलबॉय फ्रेंचाइजी फेम सेल्मा ब्लेयर ने बताया है कि दो साल पहले 'इस्लाम-विरोधी' बयान के बाद उन्हें न सिर्फ सोशल मीडिया पर लोगों की खूब आलोचना झेलनी पड़ी, बल्कि इसने उनके हॉलीवुड कॅरियर को भी 'खत्म' कर दिया। 54 साल की सेल्मा ब्लेयर हाल ही द ज्यूइश म्यूजियम में एंटी-डिफेमेशन लीग के 'स्टेट ऑफ द आर्ट्स' कार्यक्रम में पहुंची थीं, जहां उनका कॅरियर को लेकर दर्द छलका। सेल्मा ब्लेयर ने दो साल पहले फरवरी 2024 में इजराइल-हमास युद्ध के दौरान सीरियाई-यहूदी शरणार्थी अब्राहम हमरा के एक इंस्ट्राग्राम वीडिया पर 'एंटी-इस्लाम' कमेंट किया था। अब सेल्मा ब्लेयर ने इवेंट में कहा, 'मैं जानती हूं कि सब कुछ खत्म हो जाने का एहसास कैसा होता है।



हिंदी फिल्मों का गणित बिगाड़ेगी 'ओम'

नई दिल्ली। तेरे इश्क में और कारा जैसी कई शानदार फिल्मों से फैंस का दिल जीतने वाले अभिनेता धनुष लंबे समय से अपनी अपकमिंग मूवी ओम चैप्टर-1 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। 16 अक्टूबर को ओम चैप्टर-1 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। लेकिन , ओम चैप्टर-1 को 26 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज किया जाएगा। ओम चैप्टर-1 अब नई रिलीज डेट 26 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस जिसका कारण इसी महीने (अक्टूबर) रिलीज होने वालीं कई बड़ी तमिल फिल्में हैं। 26 नवंबर को ओम चैप्टर-1 को रिलीज किया जाना है और इसके अगले दिन इमरान हाशमी की गनमास्टर जी9 और आयुष्मान खुराना की ये प्रेम मोल लिया आ रही है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इन तीनों मूवीज के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

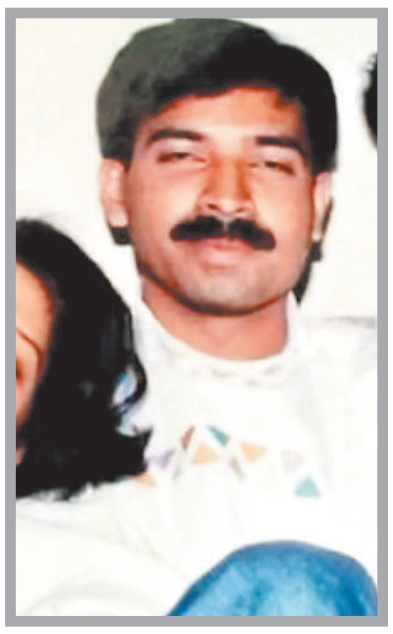

आर माधवन ने खोला यादों का पिटारा

मुंबई। चर्चित अभिनेता आर माधवन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। लगता है रविवार को फुरसत के पलों में उन्होंने अपना पुराना एल्बम खोल लिया है। इससे कुछ अनदेखी तस्वीरें उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। आर माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर करते हुए एक वीडयो कोलाज पोस्ट किया है। इसमें उनके पुराने दिनों की तस्वीरें हैं, जब दोस्तों की महफिलें सजा करती थीं। तस्वीरों के साथ एक्टर ने लिखा है, 'पुराने दिन'। आर माधवन की इन तस्वीरों में उनकी पत्नी सरिता बिरजे भी नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में आर माधवन अपनी मॉडिफाइड बाइक पर सवार होकर पोज देते दिख रहे हैं। यादों की गुल्लक खोलते हुए आर माधवन ने अपने सभी दोस्तों को भी पोस्ट में टैग किया है।

टीवी मसाला



राइज एंड फॉल 2: झगड़ा खत्म कर स्वरा के फिटनेस कोच बने शहजाद

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर फिलहाल रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 का हिस्सा है। अब हाल ही में वहां से एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह अपनी बेटी राबिया को याद करते हुए रोते नजर आईं और तेज प्रताप यादव अभिनेत्री को चुप करवाते दिखाई दिए। स्वरा भास्कर के लिए काम की वजह से अपनी छोटी सी बेटी से दूर रहना काफी मुश्किल हो रहा है। एक वीडियो सामने आया, जिसमें शहजाद और स्वारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखी। शो की शुरुआत में स्वरा भास्कर और शहजाद पूनावाला के बीच अच्छे रिश्ते देखने को नहीं मिले थे। लेकिन जैसे-जैसे यह शो आगे बढ़ रहा है, दोनों के बीच रिश्ते सुधर रहे हैं। हाल ही में शहजाद पूनावाला अभिनेत्री के फिटनेस कोच बने नजर आए। बता दें कि दोनों के बीच शो से बाहर राजनीति ओपिनियन को लेकर टकराव होते रहते हैं। शो का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस रोती हुई नजर आ रही हैं। वह बार-बार अपनी बेटी राबिया की फोटो देखने या उसका चेहरा देखने की गुजारिश करती दिखाई दीं। जब शो में उनके साथ मौजूद गौतम गुलाटी ने पूछा कि वह इतनी इमोशनल क्यों हो गईं, तो स्वरा ने कहा, 'किसी ने सुशी कहा और मुझे अपनी बेटी की याद आ गई।' स्वरा ने आगे कहा, 'यार उसका फेस दिखा दो, उसकी फोटो दिखा दो प्लीज।' उनकी इस बात से साफ पता चला कि रियलिटी शो के दौरान वह अपनी बेटी को कितना याद कर रही हैं।

तुलसी और मिहिर का शो होगा बंद?

नई दिल्ली। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' 29 जुलाई 2025 को शुरू हुआ था। टीवी के साथ-साथ इस बार यह ओटीटी पर भी स्ट्रीम हुआ। पहले पार्ट की अधिकांश कास्ट शो का हिस्सा बनी और साथ ही नई पीढ़ी के रूप में कुछ नए सितारे जुड़े। इस बार भी इस शो को भर-भरकर प्यार मिला। मगर, चर्चा है कि यह शो अब अलविदा कहने वाला है। बंद होने की चर्चाओं के बीच शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी एक पोस्ट शेयर किया है।



एकता कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सीरियल की टीम के साथ एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'इस काम में शामिल सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया। बस अभी 'क्योंकि...' का आखिरी एपिसोड लिखना खत्म किया है। क्या यह वाकई आखिरी है? एकता कपूर ने आखिरी एपिसोड का जिक्र तो किया है, मगर साथ ही सवाल भी छोड़ दिया है। ऐसे में नेटिजंस पूछ रहे हैं कि क्या वाकई शो बंद हो रहा है? 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में नोयना का किरदार अदा करने वाली एक्ट्रेस बरखा बिष्ट ने कमेंट कर एकता कपूर का शुक्रिया अदा किया है।

1991 में ही बना दी थी टाइम ट्रेवल पर फिल्म

नई दिल्ली। डायरेक्टर सिंगीथम श्रीनिवास राव ने 94 साल की उम्र में अपनी आखिरी सांस ली। सिंगीथम श्रीनिवास को पुष्पक विमाना, आदित्य 369 और सिंग गीथम जैसी फिल्में बनाने के लिए जाना जाता था। सिंगीथम श्रीनिवास का जन्म आंध्र प्रदेश के उदयगिरि, नेल्लोर में 21 सितंबर, 1931 को हुआ था। उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा में क्रांति लाने के लिए जाना जाता है। सिंगीथम ने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में करीब 60 फिल्में डायरेक्ट की हैं।

डायरेक्टर के तौर पर किया था डेब्यू

सिंगीथम श्रीनिवास ने साल 1972 में रिलीज हुई फिल्म नीति नियति से डायरेक्टर के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। ये तेलुगु भाषा की एक कॉमेडी फिल्म थी। फिल्म को डायरेक्ट करने के साथ-साथ सिंगीथम श्रीनिवास ने फिल्म को लिखा भी था।

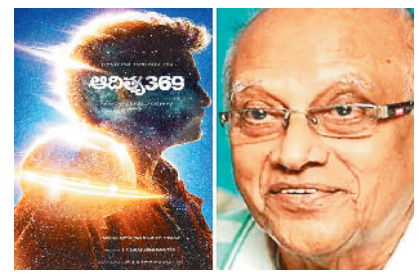

94 की उम्र में भी डायरेक्ट की थी फिल्म

सिंगीथम श्रीनिवास राव ने 94 साल की उम्र में भी काम करना नहीं छोड़ा। उनकी आखिरी फिल्म सिंग गीथम इस साल रिलीज हुई। ये एक म्यूजिकल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर सकते हैं। फिल्म में अहिल्या बमरू, अयान और मणि कृष्ण जैसे कलाकार नजर आए हैं।

पॉपुलर फिल्में

पुष्पक विमानाः साल 1987 में रिलीज हुई पुष्पक विमाना में कमल हासन लीड रोल में नजर आए थे। पुष्पक विमाना एक डार्क कॉमेडी फिल्म थी। इस फिल्म ने नेशनल अवॉर्ड समेत कुल 7 अवॉर्ड्स जीते थे। 1988 में श्रीनिवास को बेस्ट फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस फिल्म की खास बात ये थी कि इस फिल्म में कोई भी डायलॉग नहीं थे।

जीते कई अवॉर्ड्स

श्रीनिवास राव ने अपने शानदार कॅरियर में कई प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स अपने नाम किए। श्रीनिवास ने दो नेशनल अवॉर्ड्स (पुष्पक विमाना और दिक्कत्रा पार्वती), तीन नंदी अवॉर्ड्स (मयूरी, वृंदावनम और भैरव द्वीपम), फिल्म हालू जेनू के लिए कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार जैसे अवॉर्ड्स जीते। इसी के साथ, 19वें चेन्नई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (2021) में उन्हें लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। साल 2011 में फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भी उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

नीतू ने बैक साइड की फोटो लेने पर तंज भरे लहजे में किया सवाल

मुंबई। नेहा धूपिया और सलमान खान के बाद अब नीतू कपूर ने पैपराजी के बैक साइड की फोटो लेने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कैमरामैन से तंज भरे लहजे में सवाल किया है। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने पैपराजी के उस चलन पर सवाल उठाया है, जिसमें वे अभिनेत्रियों से कैमरे की तरफ पीठ करके पोज देने के लिए कहते हैं। रविवार को वह मुंबई में नजर आईं। उन्होंने फोटोग्राफर्स के पीछे से फोटो लेने की गुजारिश पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या उन्हें ऐसे शॉट्स लेने में खास मजा आता है? जब नीतू कपूर एक जगह से बाहर निकलीं और अपनी कार की ओर जा रही थीं, तो वहां मौजूद फोटोग्राफर्स ने उनसे कैमरे की तरफ पीठ करके पोज देने को कहा। ऐसा करने के बजाय, अभिनेत्री मुड़ीं और तंज भरे अंदाज में उनसे इस गुजारिश के बारे में पूछा। नीतू ने कहा, 'आपको यह बहुत अच्छा लगता है ना, 'बैक'?' पैपराजी ने इस पर ना में जवाब दिया। इसके बाद नीतू अपनी कार में बैठीं और दरवाजा बंद कर लिया। नीतू कपूर का यह रिएक्शन तब आया है, जब नेहा धूपिया ने फोटोग्राफर्स की तरफ से अभिनेत्रियों की गलत तरीके से बैक शॉट्स लेने पर आपत्ति जताई। मुंबई में एक अवॉर्ड इवेंट के दौरान, नेहा ने पैपराजी से सवाल किया और इस हरकत पर नाराजगी जताते हुए कहा, 'तुम लोगों में से बदतमीजी से बैकशॉट कौन लेता है? बंद करो।' नेहा ने साफ किया कि उनकी आपत्ति सिर्फ अपने अनुभव तक ही सीमित नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह उन महिलाओं की तरफ से बोल रही थीं जिन्होंने फोटोग्राफरों से बार-बार रुकने के लिए कहा था और जो 'बार-बार यह कहते-कहते थक चुकी थीं।' सलमान खान ने भी 'बिग बॉस 20' में इस मुद्दे पर बात की।



बॉलीवुड में एक शब्द ने बदल दी फिल्मों की कहानियां

हिंदी सिनेमा का 'दिल': कभी दीवाना, कभी पागल, कभी बदतमीज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में 1946 से लेकर 2026 तक ऐसी कई फिल्में बनी हैं, जिनमें 'दिल' शब्द का अलग-अलग कहानी को बयां करने के लिए किया गया है। ऐसे कई शब्द हैं, जिनका इस्तेमाल टाइटल में करते हुए हिंदी सिनेमा में बहुत सारी फिल्में बनी। 'दिल' भी उन्हीं में से एक है। पर्दे पर जब किसी किरदार ने प्यार किया, तो टाइटल 'दिल' पड़ गया। जब प्रेम अधूरा रहा, तो 'हम दिल दे चुके सनम' हो गया और जब किसी ने अपनी राह खुद चुनी, तो 'चांद मेरा दिल' बन गया। लगभग 80 वर्षों में साल दर साल इस एक शब्द ने किसी न किसी तरह अलग-अलग टाइटल के साथ जुड़कर बॉलीवुड को कई कहानियां दीं। सिर्फ इतना ही नहीं, दशकों के सफर में प्यार की परिभाषा बदली, रिश्तों का स्वरूप बदला, नायक-नायिका बदले, कहानियों का अंदाज बदला, लेकिन दिल अपनी जगह बना रहा। खास बात ये है कि यह सफर सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहा। बल्कि, फिल्मों के गाने और टीवी शो में भी इसका खूब इस्तेमाल हुआ।

जब दिल से हुई शुरुआत

हिंदी सिनेमा के इतिहास में 'दिल' शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले 1946 में रिलीज हुई फिल्म के टाइटल में हुआ था। इस फिल्म का नाम ही 'दिल' था। इस फिल्म का निर्देशन एस. एफ. हसनैन ने किया था और इसमें नूरजहां, अमीना नजर आए थे। यह ब्लैक एंड व्हाइट ड्रामा फिल्म थी।

1950-60 के दशक में कैसे हुआ दिल का इस्तेमाल

1950 और 1960 के दशक में 'दिल' वाले फिल्मी टाइटल तेजी से बढ़े। 1959 में आई 'दिल देके देखो'। अगले ही साल 'दिल अपना और प्रीत पराई' आई, जिसका टाइटल ही प्रेम और सामाजिक रिश्तों के बीच तनाव को सामने रखता है। 1960 में ही 'दिल भी तेरा हम भी तेरे', 1962 में 'दिल तेरा दीवाना', 1963 में 'दिल एक मंदिर', 'दिल एक सौ अफसाने' और 1966 में 'दिल दिया दर्द लिया' जैसे टाइटल ने इस शब्द को अलग-अलग इमोशनल मीनिंग दिए। यानी 'दिल' एक ही दशक में कई रूप ले चुका था, जिसमें वह कभी दीवाना बना, तो कभी मंदिर और उसी ने दर्द भी दिया।



80 के दशक में 'दिल' गानों में हुआ ज्यादा इस्तेमाल

1980 के दशक में फिल्मों के नामों में 'दिल' मौजूद रहा, लेकिन इस दौर में दिल की सबसे बड़ी ताकत गानों में दिखाई दी। दिल के झरोखे में, दिल क्या करे, दिलबर मेरे, मेरा दिल भी कितना पागल है जैसे गानों ने दिल को प्रेम की भाषा से आगे बढ़ाकर व्यक्तिगत भावनाओं की भाषा बनाया।

70 के दशक में बदलने लगी दिल की दुनिया : 1970 के दशक तक हिंदी सिनेमा में रोमांस के साथ-साथ सामाजिक और पारिवारिक संघर्ष भी मजबूत हो रहे थे। ऐसे में आई 1972 में 'दिल दौलत दुनिया', 1978 में 'दिल और दीवार', 'दिल से मिले दिल', 1979 में 'दिल का हीरा'। इनके साथ 'दिल' अब केवल प्रेम कहानी का शब्द नहीं रह गया था। अब दिल को दौलत, दुनिया, दीवार, हीरे और रिश्तों के साथ रखा जा रहा था।

90 के दशक में हुआ 'दिल' का रोमांटिक विस्फोट

अगर हिंदी सिनेमा के इतिहास में किसी एक दशक को 'दिल का दशक' कहा जाए, तो वह 1990 का दशक होगा। इस साल इंद्र कुमार की 1990 में 'दिल' आई। आमिर खान और माधुरी दीक्षित की यह फिल्म प्रेम, परिवार, अहंकार और सामाजिक हैसियत के टकराव की कहानी थी। फिर 1991 'दिल है कि मानता नहीं' आई। इसमें आमिर खान और पूजा भट्ट नजर आए। इसके बाद 1993 में दिल तेरा आशिक, 1994 में दिलवाले, 1995 में दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे आई। इसमें लोगों को राज और सिमरन की कहानी देखने को मिली, जो आज भी बहुत मशहूर है। 1997 में दिल तो पागल है आई। 1998 में 'दिल से' ने दस्तक दी। इसमें शाहरुख खान और मनीषा कोइराला नजर आए। 1999 में 'हम दिल दे चुके सनम' और 'दिल क्या करे' ने दस्तक दी।

2000-26 के दशक में दोस्ती से जुड़ा दिल का खेल

साल 2000 में 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' और 'हमारा दिल आपके पास है' आई। इसके बाद 2001 में दिल दोस्त चाहता है, 2002 में दिल है तुम्हारा, 2003 में दिल का रिश्ता और ये दिल आई। साल 2004 में दिल मांगे मोर, 2005 में दिल जो भी कहे, 2006 में दिल दिया है आई। 2007 में दिल दोस्ती **Etc**', 2008 में दिल कबड्डी'और 2009 में दिल बोले हडिप्पा आई। साल 2011 से लेकर 2026 तक में दिल टाइटल के साथ दिल तो बच्चा है जी, दिल धड़कने दो, ऐ दिल है मुश्किल, पल पल दिल के पास, दिल बेचारा, दिल दोस्ती और डॉग्स जैसी फिल्में आई।

खबर संक्षेप

युवक ने किसान पर बांस के डंडे से किया हमला

रायगढ़। पुसौर थाना क्षेत्र के ग्राम कोड़पाली में शराब के नशे में एक युवक द्वारा ग्रामीण पर बांस के डंडे से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में हलधर गुप्ता के सिर और दोनों घुटनों में चोटें आई हैं। घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुसौर में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोड़पाली निवासी जालंधर गुप्ता खेती-किसानी का काम करते हैं। बीते दिनों उनका छोटा भाई हलधर गुप्ता स्कूल टिकरा से लगे खेत में फल्ली की फसल उखाड़कर अकेले घर लौट रहा था। शाम करीब 6:15 बजे वह गांव में तेजराम गुप्ता की मुर्रा मिल के सामने पहुंचा था। इसी दौरान गांव का संजय भोय उर्फ भूरू शराब के नशे में वहां पहुंचा और बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगा। संजय भोय ने हलधर को जान से मारने की धमकी देते हुए अपने हाथ में रखे बांस के डंडे से उसके सिर और दोनों पैरों के घुटनों पर वार कर दिया। मारपीट में हलधर गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसके सिर से खून निकलने लगा और वह अचेत हो गया। होश में आने के बाद हलधर घर पहुंचा और अपने बड़े भाई को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए सीएचसी पुसौर लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। जालंधर गुप्ता ने मामले की रिपोर्ट पुसौर थाने में दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला घायल

रायगढ़। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से एक महिला घायल हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया गया। मामले में महिला के बेटे की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, चोपड़ा गली दरोगापारा निवासी राजेश्वर चौधरी की मां हेमकांति चौधरी बीते दिनों दवाई लेने के लिए सिविल लाइन स्थित रजा मेडिकल स्टोर्स गई थीं। दवाई लेकर पैदल घर लौटते समय वह कालीबाड़ी के पास पहुंची थीं। इसी दौरान नटवर स्कूल की ओर से आ रहे एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने कथित तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें सामने से टक्कर मार दी ।

सर्विस सेंटर में ट्रायल के दौरान मोटर साइकिल में लगी आग



रायगढ़। ढिमरापुर स्थित अपराजिता टीवीएस सर्विस सेंटर में मोटरसाइकिल की सर्विसिंग के दौरान आग लगने का मामला सामने आया है। आशुतोष उपाध्याय ने सर्विस सेंटर प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की जांच और क्षतिपूर्ति की मांग की है। उनका कहना है कि कई महीनों तक सर्विस सेंटर के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी मोटरसाइकिल की खराबी दूर नहीं हुई और 28 अगस्त को ट्रायल के दौरान बाइक में आग लग गई, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने अपनी बाइक चेन-स्प्रोकेट बदलवाने के लिए सर्विस सेंटर में जमा की थी। इसके लिए करीब 5 हजार 500 रुपये का खर्च बताया गया था। पार्ट बदलने के बाद बाइक से असामान्य आवाज आने लगी। समस्या की शिकायत लेकर वे पर 7-8 बार सर्विस सेंटर पहुंचे, लेकिन खराबी दूर नहीं हुई। बाद में संचालक भगवती प्रसाद अग्रवाल से मुलाकात के बाद भी समस्या बनी रही। आशुतोष के मुताबिक, बाद में बाइक के ट्रायल के दौरान वह अचानक बंद हो गई। इसके बाद मरम्मत का खर्च करीब 30 हजार रुपये बताया गया और वाहन लंबे समय तक सर्विस सेंटर में खड़ा रहा। 28 अगस्त को बाइक तैयार होने की सूचना मिलने पर वे सर्विस सेंटर पहुंचे। जब मैकेनिक के बाइक स्टार्ट की तब पेट्रोल ओवरफ्लो होकर फैल गया और मोटरसाइकिल बंद हो गया।

सड़क सुरक्षा की दिलाई शपथ

बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को किया गया जागरूक





हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

पुलिस द्वारा जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा दुर्घटनाओं के दौरान होने वाली मृत्यु एवं गंभीर चोटों को रोकने के उद्देश्य से "हेलमेट नहीं तो यात्रा नहीं" अभियान लगातार चलाया जा रहा है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर राकेश कुमार पाटनवार के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सड़क सुरक्षा एवं हेलमेट जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में विशेष "हेलमेट नहीं तो यात्रा नहीं" जागरूकता कार्यवाही की गई। पिछले दो दिनों में लगभग 5000 से अधिक ऐसे दोपहिया वाहन चालकों को रोककर जागरूक किया गया, जो बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए गए। इस दौरान जशपुर पुलिस द्वारा चालानी कार्यवाही को प्राथमिकता नहीं दी गई। बिना हेलमेट पाए गए वाहन चालकों को रोककर हेलमेट के महत्व एवं दुर्घटना के दौरान सिर की सुरक्षा में हेलमेट की भूमिका के संबंध में समझाइश दी गई। वाहन चालकों को हेलमेट खरीदने के लिए प्रेरित किया गया तथा हेलमेट लाकर उसकी खरीद की रसीद प्रस्तुत करने के बाद उन्हें सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए आगे से नियमित रूप से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस का प्रयास है कि व्यक्ति केवल पुलिस की मौजूदगी में ही नहीं, बल्कि पुलिस की निगरानी के बिना भी अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट पहने।

अभियान का असर लोगों में बढ़ी हेलमेट पहनने की आदत

जशपुर पुलिस द्वारा लगातार चलाए जा रहे व्यापक जागरूकता अभियान का सकारात्मक प्रभाव जिले में देखने को मिल रहा है। अब बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन चालक यात्रा के दौरान हेलमेट का नियमित उपयोग कर रहे हैं। हालांकि कुछ नागरिक अभी भी बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए जा रहे हैं। ऐसे लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस द्वारा यह विशेष अभियान लगातार जारी रखा गया है।जशपुर पुलिस की स्पष्ट मंशा है कि जिले का प्रत्येक व्यक्ति घर से निकलते समय हेलमेट पहनने की अनिवार्यता को समझे और इसे अपनी दैनिक आदत एवं जिम्मेदारी बनाए।

जब तक प्रत्येक नागरिक हेलमेट नहीं पहनता, जारी रहेगा अभियान

जशपुर पुलिस का यह अभियान किसी एक दिन अथवा कुछ दिनों तक सीमित नहीं है। यह जागरूकता कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, जब तक जिले के सभी नागरिक घर से निकलते समय हेलमेट पहनने की अनिवार्यता को पूरी तरह नहीं समझ लेते और हेलमेट धारण करना अपनी जिम्मेदारी नहीं बना लेते।पुलिस का उद्देश्य लोगों पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि उनमें ऐसा व्यवहार परिवर्तन लाना है कि हर दोपहिया वाहन चालक स्वयं हेलमेट पहने और अपने पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनाए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण



कोतबा। समाज सेवा और जनहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले कोतबा के मंगलम स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने एक बार फिर अपनी संवेदनशील और प्रेरक पहल से समाज के सामने मिसाल पेश की है। समूह द्वारा पर्यावरण संरक्षण और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए नगर तथा आसपास के ग्रामीण स्कूलों में कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पर्यावरण सुरक्षा और वनों की रक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समूह की महिलाओं ने एक ही परिसर में संचालित नगर पूर्व माध्यमिक कन्या शाला, प्राथमिक कन्या शाला एवं बालक प्राथमिक शाला में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के मध्याह्न भोजन बनाने हेतु एलपीजी गैस सिलेंडर एवं बड़ा चूल्हा वितरित किया। समूह ने इस अवसर पर आह्वान किया कि भोजन निर्माण में पारंपरिक लकड़ी की जगह नियमित रूप से गैस चूल्हे का उपयोग किया जाए, जिससे जंगलों में हो रही अवैध एवं अंधाधुंध लकड़ी कटाई पर रोक लगे और धुआं-मुक्त वातावरण से रसोइयों व बच्चों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे। समूह की प्रमुख श्रीमती प्राची सवित निखाड़े ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए हमें अभी से स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। आपात स्थिति और प्राथमिक उपचार की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मंगलम समूह द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सहित नगर व वनांचल के दर्जनों प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में मेडिकल किट प्राथमिक चिकित्सा पेटी का वितरण किया गया। इस पहल के तहत पोटापारा, आमाटोली, भालुखार, लकड़ामुड़ा, सुकबासुपारा, फिटिंगपारा, बैगाबहार, घोघरा, बनगांव, राजाआमा, खमगड़ा एवं कर्राबेवरा के शासकीय स्कूलों को कवर किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को स्वच्छता, प्राथमिक उपचार और दैनिक जीवन में स्वास्थ्य नियमों के पालन के प्रति जागरूक भी किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मंगलम स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष प्राची निखाड़े, संध्या बंजारा, राखी शर्मा, मनमती मुंडा, पार्षद पंकज शर्मा सहित शाला परिवार के शिक्षकगण, समूह की अन्य सदस्याएं और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक कुमार के निर्देशन में वीबीजीराम जी योजना अन्तर्गत जिले में वर्षा जल के संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

इसी क्रम में जनपद पंचायत मनोरा की ग्राम पंचायत ओरडीह एवं आश्रित ग्राम आराकोना क्षेत्र में विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इन कार्यों का उद्देश्य वर्षा के पानी को गांवों में अधिक से अधिक रोकना, जल के बहाव को नियंत्रित करना, भू-जल स्तर में सुधार लाना तथा कृषि एवं आजीविका गतिविधियों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जल संरक्षण कार्यों के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं, जिससे जल संरक्षण के साथ ग्रामीण आजीविका को भी मजबूती मिल रही है।

आश्रित ग्राम आराकोना में 1 हजार 7 सौ नग कंटूर ट्रेंच निर्माण ओरडीह में 2 हजार 1 सौ नग कंटूर ट्रेंच निर्माण 5 आजीविका डबरी का कार्य पूर्ण 10 नग गैबियन संरचनाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है, वहीं ओरडीह में 10 नग एलबीसीडी का कार्य व आराकोना के लोहड़ा नाला में 10 नग बोल्डर चेकडैम में से 6 नग का कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य निर्माणाधीन



मनोरा जनपद में जल संवर्धन के कार्यों को मिल रही गति

है। कंटूर ट्रेंच, गैबियन, बोल्डर चेकडैम जैसी संरचनाओं के निर्माण से वर्षा जल के बहाव को नियंत्रित करने तथा उसे स्थानीय स्तर पर रोककर उपयोगी बनाने में मदद मिलेगी। इससे मिट्टी के कटाव को कम करने, भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने तथा कृषि कार्यों के लिए जल की उपलब्धता में सुधार होती है। वहीं आजीविका डबरी जैसी संरचनाएं ग्रामीण परिवारों के लिए सिंचाई, मछलीपालन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों का आधार बन रही हैं। इस प्रकार जल संरक्षण के कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ रोजगार एवं आजीविका के नए अवसरों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। जिले में जल संरक्षण कार्यों को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और ग्रामीण आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जा रहा है। वर्षा जल की प्रत्येक बूंद सहेजने व गांवों को जल की दृष्टि से अधिक सक्षम बनाने के लिए किए जा रहे ये प्रयास ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पुरानी रंजिश में युवक से की मारपीट, अपराध दर्ज

रायगढ़। शहर के राजीव नगर में पुरानी रंजिश और पैसों के लेन-देन को लेकर मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार राजू देवांगन पिता शंकर प्रसाद देवांगन निवासी राजीव नगर मजदूरी का काम करता है। 3 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे वह राजीव नगर स्थित सोनी जनरल स्टोर के सामने था। इसी दौरान राधे महंत निवासी राजीव नगर वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश तथा पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद करने लगा। राधे महंत ने राजू देवांगन गाली गलौज करते हुए मारपीट भी की और उसका गला दबाया। इससे उसके गले में चोट आई । इसके बाद राजू देवांगन ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

मत्स्य किसानों को मछली पालन का प्रशिक्षण

जशपुरनगर। मत्स्य पालन विभाग की ओर से जिले के समस्त विकासखंडों से चयनित समूह एवं समितियों से जुड़े 3 सौ मत्स्य किसानों को मछली पालन की आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।



प्रशिक्षण के दौरान किसानों को नवीन तकनीकों की जानकारी देने के साथ ही सफलतापूर्वक मछली पालन कर रहे क्षेत्रों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण के तहत मत्स्य किसानों को जशपुर जिले में पौंड लाइनर तकनीक के माध्यम से नवीन एवं आधुनिक पद्धति से किए जा रहे मछली पालन का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। किसानों ने पौंड लाइनर आधारित मत्स्य पालन की तकनीक, तालाब प्रबंधन एवं उत्पादन बढ़ाने के तरीकों की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही किसानों को सरगुजा जिले के रजपुरी जलाशय का भ्रमण कराया गया, जहां केज कल्चर तकनीक के माध्यम से मछली पालन किया जा रहा है। इस दौरान किसानों को जलाशय आधारित केज कल्चर की कार्यप्रणाली एवं इसकी संभावनाओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान ब्लॉक स्तर के अधिकारियों एवं मत्स्य विभाग के विशेषज्ञों द्वारा किसानों को नवीन पद्धति से मत्स्य बीज उत्पादन, तालाब प्रबंधन, मछलियों के लिए संतुलित आहार प्रबंधन तथा मछलियों में होने वाली विभिन्न बीमारियों की पहचान और उनकी रोकथाम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण एवं भ्रमण के माध्यम से किसानों को व्यावहारिक जानकारी मिलने से वे अपने तालाबों में बेहतर प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, उचित आहार व्यवस्था तथा बीमारी की समय पर रोकथाम जैसे उपाय अपना सकेंगे। इससे मछली उत्पादन में वृद्धि होने के साथ ही मत्स्य पालन से जुड़े हितग्राहियों की आय में भी बढ़ोतरी की संभावना है। प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम सहायक संचालक मत्स्य पालन जितेंद्र कुमार पैकरा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

डेढ़ लाख के कर्ज के बदले जमीन हड़पी आदिवासी महिला ने की शिकायत

रायगढ़। चक्रधर नगर थाना क्षेत्र में एक आदिवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच कर डेढ़ लाख रुपये के कर्ज के बदले अपनी पैतृक जमीन हड़पने की कोशिश किए जाने की शिकायत दर्ज कराई है। नवापाली निवासी सरस्वती सिदार ने लिखित शिकायत देकर मामले की जांच और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में पीडित महिला ने बताया कि कर्ज की राशि के एवज में उसकी ऋण पुस्तिका बतौर गारंटी के रूप में रखी गई थी, लेकिन बाद में उसकी जानकारी के बिना जमीन के संबंध में फर्जी बिक्री दस्तावेज तैयार कर राजस्व रिकॉर्ड और रजिस्ट्री पोर्टल में दर्ज करा दिया गया। करीब डेढ़ वर्ष पहले पारिवारिक जरूरत के चलते महिला को पैसों की आवश्यकता थी। उसने परिचित नरोत्तम चौहान के माध्यम से हलधर चौधरी से संपर्क किया। उसे 1.50 लाख रुपये 2 प्रतिशत मासिक ब्याज की दर पर दिए गए। इसके बदले उसकी मूल ऋण पुस्तिका अपने पास रख ली । वह नियमित रूप से ब्याज का भुगतान करती रही। महिला की पैतृक जमीन ग्राम बोईरडीही के पटवारी हल्का नंबर 08 में स्थित है। यह भूमि पहले उसके चाचा के साथ संयुक्त खाते में दर्ज थी। तहसील कार्यालय में बंटवारे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब महिला राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने और नकल लेने पहुंची, तब उसे जमीन के संबंध में बिक्री दस्तावेज दर्ज होने की जानकारी मिली।

निःशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर में 137 मरीजों का इलाज

जशपुरनगर। 4 अक्टूबर दिन रविवार को बाबा भगवान राम ट्रस्ट, P-64, सेक्टर 11 नोएडा, उत्तरप्रदेश द्वारा निःशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 137 मरीजों (12 बच्चों) को फ़क़ीरी दवाई एवं परामर्श उपलब्ध कराया गया ।इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष पूज्यपाद गुरुपद संभव राम जी ने 3 अक्टूबर के सायं काल में शिविर स्थल कम्युनिटी सेंटर नोएडा से आकर अघोरेश्वर महाप्रभु के चित्र पर पूजन कर दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। तत्पश्चात वैद्य रणजीत सिंह जी के द्वारा आरती की गई।इसके पश्चात नोएडा शाखा के सर्वेश सिंह द्वारा पूज्यपाद एवं अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। सुरेश गुप्ता वरिष्ठ सदस्य नोएडा शाखा द्वारा को एवं दलीप सिंह द्वारा आमंत्रित अतिथियों को गुलाब फूल देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात सर्वेश सिंह द्वारा गुरुपद संभव राम निर्देशन में संस्था द्वारा समस्त भारतवर्ष में चलाए जा रहे अनेकानेक जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में बताया। प्रात 4:30 बजे वैद्य रणजीत सिंह जी द्वारा मरीजों को विधान के अनुसार एक पान के पत्ते पर फ़क़ीरी औषधि एवं उसके बाद आयुर्वेदिक दवा प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि उत्तरप्रदेश एवं दिल्ली के अनेक क्षेत्रों जैसे भजनपुरा, नांगलोई, रविनगर, रमेशपार्क, पड़पड़गंज, पंजाबीबाग से आये मिर्गी रोगी बंधुओं के अलावे देश के विभिन्न प्रांतों यथा बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों के रोगी बंधु आये एवं औषधी व उचित परामर्श पाकर लाभान्वित हुये और साथ ही नशा से दूर रहने, परहेज करने और उचित खान-पान रखने संबंधी निर्देश भी वैद्य जी ने मरीजों को दिया।



प्रभावित किसानों ने खरसिया विधायक से की मुलाकात

गीधा में पावरग्रिड-2 उपकेंद्र का विरोध, 193 एकड़ जमीन पर संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

ग्राम गीधा में प्रस्तावित पावरग्रिड-2 उपकेंद्र के निर्माण को लेकर ग्रामीणों सहित प्रभावित किसानों ने विरोध जताया है। किसानों ने परियोजना के लिए कृषि भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई रोकने की मांग करते हुए खरसिया विधायक उमेश पटेल से मुलाकात कर आवेदन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि उपकेंद्र के लिए गीधा, छोटे मुड़पार और भैनापारा की करीब 193 एकड़ जमीन प्रस्तावित है। इससे खेती पर निर्भर परिवारों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका है।

प्रभावित किसानों के अनुसार गीधा आदिवासी बहुल क्षेत्र है। जहां बड़ी संख्या में परिवार खेती-किसानी के सहारे जीवनयापन करते हैं। प्रस्तावित परियोजना के लिए उपजाऊ और दो फसली कृषि भूमि लिए जाने से किसानों के सामने आय और रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। इस परियोजना से ग्राम गीधा की करीब 80 से 90 प्रतिशत भूमि प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में किसानों ने भूमि अधिग्रहण से पहले सभी पहलुओं पर विचार करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि कृषि भूमि उनके परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार है। यदि जमीन अधिग्रहित होती है, तो कई परिवारों की खेती पर निर्भर आय स्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है। इसका असर केवल संबंधित किसानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कृषि आधारित रोजगार और स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। इसी आधार पर ग्रामीणों ने पावरग्रिड-2 उपकेंद्र के लिए ऐसी वैकल्पिक भूमि तलाशने की मांग की है, जहां दोफसली और उपजाऊ खेतों को नुकसान से बचाया जा सके। किसानों की प्रमुख मांग है कि पावरग्रिड-2 उपकेंद्र के निर्माण के लिए ऐसा विकल्प चुना जाए, जिससे विकास कार्य आगे बढ़ने के साथ कृषि भूमि और उससे जुड़े परिवारों की आजीविका को भी सुरक्षित रखा जा सके। किसानों ने स्पष्ट किया है कि वे बिजली से जुड़ी विकास परियोजना के विरोध में नहीं हैं। उनकी आपत्ति उपकेंद्र के लिए उपजाऊ कृषि भूमि के चयन को लेकर है।



ग्राम सभा में विरोध प्रस्ताव पारित करने का दावा

प्रभावित किसानों ने बताया है कि इस मुद्दे पर ग्राम पंचायत गीधा में ग्राम सभा आयोजित की गई थी। ग्राम सभा में प्रस्तावित उपकेंद्र की स्थापना के विरोध में प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से ग्राम सभा की आपत्तियों तथा किसानों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों ने उपकेंद्र के निर्माण के साथ भविष्य में होने वाले विस्तार को लेकर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि उपकेंद्र के विस्तार और विद्युत लाइनों के लिए टावर लगाए जाने से आसपास की कृषि भूमि पर भी असर पड़ सकता है। किसानों ने परियोजना से संभावित नुकसान का आकलन करने और खेती-किसानी पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की मांग की है।

बाइक पर घर लौट रहे युवक पर नुकीली वस्तु से किया वार

रायगढ़। शहर के जोगीडीपा इलाके में देर रात बाइक सवार युवक के साथ मारपीट कर नुकीली वस्तु से हमला करने का मामला सामने आया है। दो भाइयों ने युवक से बाइक पर घर छोड़ने के लिए कहा। मना करने पर गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और पीठ पर नुकीली वस्तु से वार कर दिया। घटना के बाद आरोपियों में से एक ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार नवागढ़ी राजापारा निवासी रोहित साहू 3 अक्टूबर की रात करीब 12 बजे अपनी दादी को मोटरसाइकिल से छोड़ने रेलवे स्टेशन गया था।



